THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT) (a) No, Sir

(b) Does not arise

Levelling of area in D I Z Area, New Delhi

1153 SHRI KACHARULAL HFM RAJ JAIN Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION be pleased to state

(a) whether the area in Sector D' of D I Z Area New Delhi from where hundreds of Jhuggis were removed during 1975-76 has been got cleared and levelled, and

(b) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT) (a) Only 8 Jhuggis interfering with the layout of quarters were removed by the C P W D during the year 1975-76 The area from where these jhuggis were removed has been cleared and levelled

(b) Does not arise

Storage capacity for Sugar

1154 SHRI M RAMGOPAL REDDY Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state

(a) whether Government have sufficient storage capacity for the carry over stocks of sugar and the sugar being manufactured during the current season, and

(b) if not, what steps Government propose to tide over storage problem?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRATAP SINGH) (a) and (b) The sugar produced by the factories is stored in their own godowns and Government do not provide any godown space for this purpose All the sugar factories have already been advised to take necessary steps to provide adequate storage accommodation to cover the stocks of sugar as at the close of the year 1976 77 and the production during the year 1977-78

विश्वविद्यालयो में पिछडी जातियों के छात्रो के लिये प्रवेश

1155 **श्री बया राम शास्त्र** : क्या शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार ने 55 प्रतिशत अक प्राप्त करने वाले पिछडी जातियो के छात्रा को निर्धारित काटे के आधार पर विश्वविद्यालयो म प्रवेश दिलाने के प्रबन्ध किए है ,

(ख) यदि हा, ता यह योजना किन-किन रा यो मे शुरू कर दी गई है , और

(ग) क्या सरकार ने इस मामले की जाच की है कि अलीगढ मुस्लिम यूनिवर्सिटी मे प्रथम श्रेणी प्राप्त करने वाले पिछडी जातियो के छात्रो को विश्वविद्यालय की प्रि-यूनिवर्सिटी कक्षाओ (गणित) मे प्रवेश नही दिए गए हैं जबकि पिछडी जातियो के लिए कोटा निर्धारित है , और क्या इस सबध मे उन्हे अक्तूबर, 1977 मे कोई शिकायत मिली थी, और यदि हा, तो सरकार ने उस पर क्या कार्यवाही की ?

शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री (डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र) (क) केन्द्रीय सरकार द्वारा बताई गई मार्गदर्शी रूप रेखाओ के अनुसार उच्च शिक्षा की

सभी सस्थाओ मे 20 प्रतिशत स्थान अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारो के लिए आरक्षित करना अपेक्षित है । शैक्षिक सस्थाओ को यह सलाह भी दी जाती है कि किसी भी पाठ्यक्रम मे दाखिले के लिए अको की न्यूनतम अपेक्षित प्रतिशतता मे 5 प्रतिशत की रियायत दें और यदि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारो के लिए रखे गए 20 प्रतिशत स्थान नही भर पाते तो उस दिशा मे अको मे और आगे छूट दी जाए । तथापि, केन्द्रीय सरकार ने उच्च शिक्षा की सस्थाओ मे पिछडी जातियो के लिए स्थानो के ऐसे आरक्षण के लिए कोई मार्गदर्शी रूप रेखाए नही बताई है ।

(ख) मत्रालय मे उपलब्ध सूचना के अनुसार निम्नलिखित विश्वविद्यालयो ने पिछडी जातियो से सबधित छात्रो के लिए स्थान आरक्षित किए है —

1 बम्बई
2 भागलपुर
3 बगलौर
4 कुरुक्षेत्र
5 कश्मीर
6 कर्नाटक
7 मद्रास
8 मैसूर
9 मदुरई
10 मगध
11 मराठावाडा
12 महात्मा फूले कृषि विद्यापीठ
13 मराठावाड़ा कृषि
14 पजाब
15. पंजाबी
16 पटना
17 पूना
18 श्री वैंकटेश्वर
19 सरदार पटेल
20 शिवाजी
21 कोचीन
22 नागपुर

(ग) सूचना एकत्र की जा रही है और यथासमय सभा पटल पर रख दी जाएगी ।

भारतीय खाद्य निगम द्वारा रायपुर जिले मे रखे गए गेहू का खाने योग्य न रहना

1156 **श्री दया राम शाक्य** क्या कृषि और सिंचाई मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या भारतीय खाद्य निगम का 13 लाख रुपयो के मल्य का गेहू जो मध्य प्रदेश के रायपुर जिल म खुले म रखा था, मनुष्यो के खाने लायक नही रहा, और

(ख) यदि हा, तो सरकार ने भारतीय खाद्य निगम के सम्बद्ध अधिकारियो के विरुद्ध जिन्होने लापरवाही दिखाई, क्या कायवाही की है ?

कृषि और सिंचाई मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भानु प्रताप सिंह) (क) जी नही । यह क्षति खाद्यान्नो को डिपो लाने समय मार्ग म हुई थी जब तूफानी मौसम के फलस्वरूप 211 खुले वैगनो पर डाली गयी तिरपालो के हट जाने के कारण खाद्यान्न ला रहे बोरे वर्षा से भीग गये थे ।

(ख) प्रश्न है ही नही उठता । क्योकि यह क्षति भारतीय खाद्य निगम के अधिकारियो की किसी लापरवाही के कारण नही हुई थी बल्कि मार्ग मे अपरिहार्य कारणो के नाते हुई थी ।